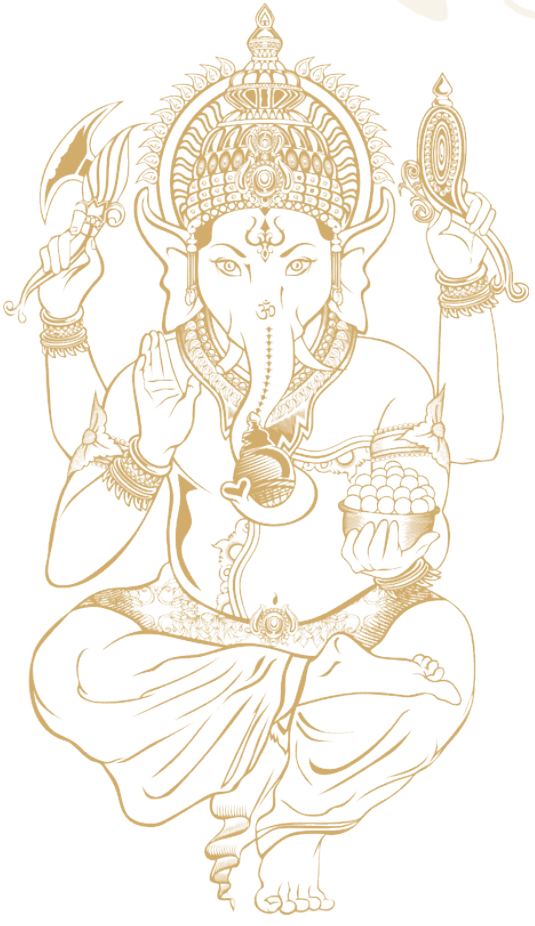

Mr.ambarish

25 Sep 2001

12:00 AM

Mainpuri

Model: web-freekundliweb

Order No: 121051307

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**24-25/09/2001**
दिन	सोम-मंगलवार
जन्म समय	**00:00:00 घंटे**
इष्ट	44:51:41 घटी
स्थान	**Mainpuri**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	27:14:00 उत्तर
रेखांश	79:01:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:13:56 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	23:46:04 घंटे
वेलान्तर	00:07:55 घंटे
साम्पातिक काल	00:00:42 घंटे
सूर्योदय	06:03:19 घंटे
सूर्यास्त	18:08:12 घंटे
दिनमान	12:04:53 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	07:53:44 कन्या
लग्न के अंश	17:50:32 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 4**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	सौभाग्य
करण	बव
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	भी-भीमा
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	17:50:32	317:36:43	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	सूर्य	---
सूर्य			कन्या	07:53:44	00:58:47	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	सम राशि
चंद्र			धनु	12:09:33	12:18:43	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	सम राशि
मंगल			धनु	14:57:46	00:35:21	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	मित्र राशि
बुध			तुला	03:21:12	00:38:33	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
गुरु			मिथु	19:27:02	00:06:57	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	मंगल	शत्रु राशि
शुक्र			सिंह	10:36:56	01:13:19	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	शत्रु राशि
शनि			वृष	21:05:18	00:00:15	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	08:01:34	00:00:01	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	उच्च राशि
केतु	व		धनु	08:01:34	00:00:01	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	उच्च राशि
हर्ष	व		मक	27:33:11	00:01:38	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	---
नेप	व		मक	12:15:47	00:00:44	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	---
प्लूटो			वृश्चि	18:56:40	00:01:02	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	---
दशम भाव			मीन	06:18:23	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:35

लग्न-चलित

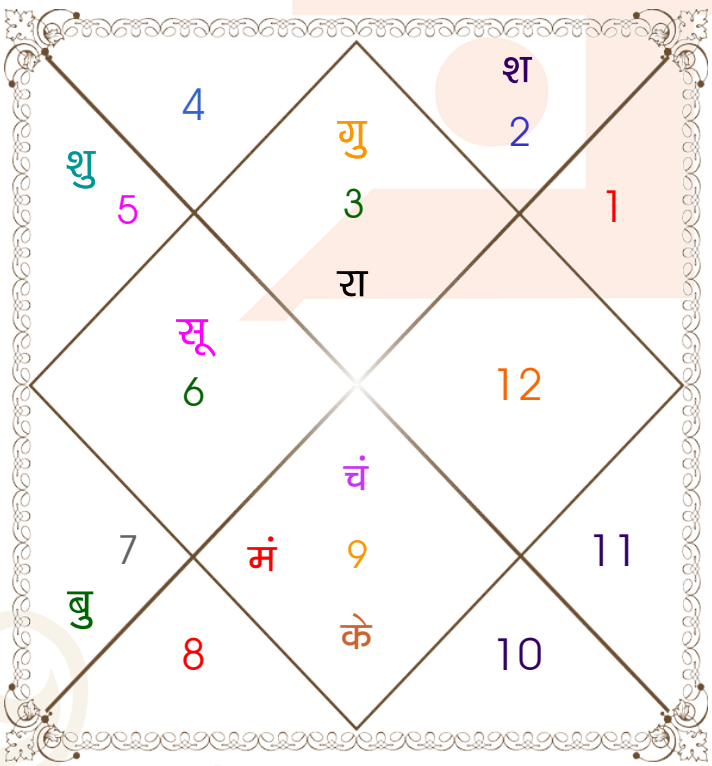

चन्द्र कुंडली

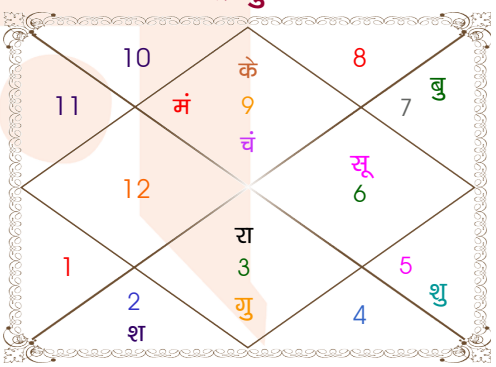

नवमांश कुंडली

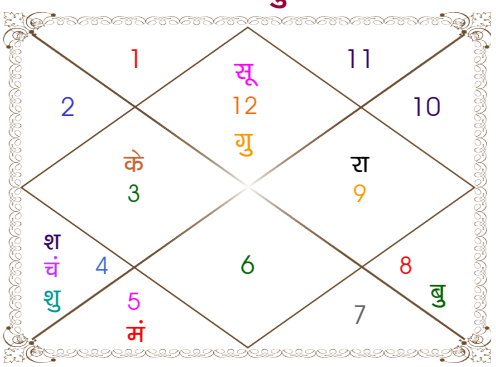

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 0 वर्ष 7 मास 12 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
25/09/2001		08/05/2002		08/05/2022		07/05/2028		08/05/2038	
08/05/2002		08/05/2022		07/05/2028		08/05/2038		07/05/2045	
	00/00/0000	शुक्र	06/09/2005	सूर्य	25/08/2022	चंद्र	08/03/2029	मंगल	04/10/2038
	00/00/0000	सूर्य	06/09/2006	चंद्र	24/02/2023	मंगल	07/10/2029	राहु	22/10/2039
	00/00/0000	चंद्र	07/05/2008	मंगल	02/07/2023	राहु	07/04/2031	गुरु	27/09/2040
	00/00/0000	मंगल	07/07/2009	राहु	25/05/2024	गुरु	06/08/2032	शनि	06/11/2041
	00/00/0000	राहु	07/07/2012	गुरु	14/03/2025	शनि	08/03/2034	बुध	03/11/2042
	00/00/0000	गुरु	08/03/2015	शनि	24/02/2026	बुध	07/08/2035	केतु	01/04/2043
	00/00/0000	शनि	08/05/2018	बुध	31/12/2026	केतु	07/03/2036	शुक्र	31/05/2044
	25/09/2001	बुध	08/03/2021	केतु	08/05/2027	शुक्र	06/11/2037	सूर्य	06/10/2044
बुध	08/05/2002	केतु	08/05/2022	शुक्र	07/05/2028	सूर्य	08/05/2038	चंद्र	07/05/2045

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
07/05/2045		08/05/2063		08/05/2079		08/05/2098		09/05/2115	
08/05/2063		08/05/2079		08/05/2098		09/05/2115		26/09/2121	
राहु	19/01/2048	गुरु	25/06/2065	शनि	11/05/2082	बुध	04/10/2100	केतु	05/10/2115
गुरु	13/06/2050	शनि	06/01/2068	बुध	18/01/2085	केतु	01/10/2101	शुक्र	04/12/2116
शनि	19/04/2053	बुध	13/04/2070	केतु	27/02/2086	शुक्र	01/08/2104	सूर्य	11/04/2117
बुध	07/11/2055	केतु	20/03/2071	शुक्र	28/04/2089	सूर्य	08/06/2105	चंद्र	10/11/2117
केतु	24/11/2056	शुक्र	18/11/2073	सूर्य	10/04/2090	चंद्र	07/11/2106	मंगल	08/04/2118
शुक्र	25/11/2059	सूर्य	06/09/2074	चंद्र	10/11/2091	मंगल	04/11/2107	राहु	27/04/2119
सूर्य	18/10/2060	चंद्र	06/01/2076	मंगल	18/12/2092	राहु	24/05/2110	गुरु	02/04/2120
चंद्र	19/04/2062	मंगल	12/12/2076	राहु	25/10/2095	गुरु	29/08/2112	शनि	11/05/2121
मंगल	08/05/2063	राहु	08/05/2079	गुरु	08/05/2098	शनि	09/05/2115	बुध	26/09/2121

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 0 वर्ष 7 मा 15 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों के पर्यटक होंगे। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्धेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगा।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगे। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशग्र बुद्धि के स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पातें। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाते हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देते हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने के आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहते हैं।

आप अच्छी तरह यह जानते हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करते हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होते हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाते हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकते हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगे। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगें।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगे। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।